माखन की चोरी छोड़ कन्हैया | By Gargi Verma

अरे माखन की चोरी छोड़ कन्हैया मैं समझाऊं तोए
मैं समझाऊं तोए कन्हैया मैं समझाऊं तोए
अरे माखन की चोरी छोड़ कन्हैया मैं समझाऊं तोए

बरसाने तेरी भयी सगाई इत उत चर्चा होये
बड़े घरन की राज दुलारी नाम धरेगी तोए
अरे माखन की चोरी छोड़ कन्हैया मैं समझाऊं तोए

नौलख गइयाँ नन्द बाबा के नित उठ माखन होये
फिर भी चोरी करे श्याम तन्ने लाज शरम गई खोये
अरे माखन की चोरी छोड़ कन्हैया मैं समझाऊं तोए

ग्वाल बाला तेरी हंसी उड़ावे घर घर चर्चा होये
तनिक दही के कारण लाला लाज ना आवे तोहे
अरे माखन की चोरी छोड़ कन्हैया मैं समझाऊं तोए

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%96%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9a%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%9b%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-by/